मन मेरिया तू निवा होके जीवी

मन मेरिया तू निवा होके जीवी कदे भी हंकार ना करि,
सोच ऊंची ते नजर रख निवि कदे भी हंकार न करि,

नीवे पेड़ ही फल दे फूलदे कहन्दे लोक सयाने,
अकड़े पास ते कुज नहीं लगदा फल दा फूल ना जाने,
धोखे अमृत दे ज़हर न तू पीवी कदे भी हंकार ना करि,
मन मेरिया तू निवा होक जीवी कदे भी हंकार ना करि,

दुर्गत हुंडी आखिर इथे ओथे मगरूर दी,
सेवक बनके सेवा करिये दुखियाँ मजबुरा दी,
फट नीविया दे निवा होक सीवी कदे भी हंकार ना करि,
मन मेरिया तू निवा होक जीवी कदे भी हंकार ना करि,

जे कोई मंदा बोले उस न मंदा बोल न बोली,
अपने मानव जन्म न एवे पशुया नाल न तोली,
चंगा होक एवे मंगड़ा ना जीवी कदे भी हंकार न करि,
मन मेरिया तू निवा होक जीवी कदे भी हंकार ना करि,

सुख भी उसदे दु:ख भी उसदे मैं मैं करिये काहदी,
साहिल करले अपने आप न उसदी रजा विच राजी,
घुट सबर ते शुक्र दा पीवी कदे भी हंकार न करि,

मन मेरिया तू निवा होक जीवी

Source:
https://www.bharattemples.com/man-meriyan-tu-niwa-hoke-jewi-kade-bhi-hankaar-naa-kari/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw